भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 35

उत्तर देने की तारीख : 19 जुलाई, 2021

भारतीय धरोहर संस्थान की स्थापना

35. **श्रीमती सुनीता दुग्गल:**
श्री सुमेधानन्द सरस्वती:
श्री बालक नाथ:

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में भारतीय धरोहर और संरक्षण संस्थान की स्थापना संबंधी प्रस्ताव का ब्यौरा तथा उद्देश्य क्या है;

(ख) हरियाणा सहित देश के विभिन्न भागों में संस्कृति मंत्रालय द्वारा राज्य-वार ऐसे कितने संस्थानों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) चालू वित्त वर्ष के दौरान इस कार्य हेतु निर्धारित की गई आकलित निधि का ब्यौरा क्या है;

(घ) इस प्रस्ताव के तहत निर्धारित लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) इसे कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

(जी. किशन रेड्डी)

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

(क) से (ड.) : सरकार ने नोएडा, गौतमबुद्ध नगर में 'राष्ट्रीय विरासत संस्थान' स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह भारत की समृद्ध विरासत एवं उसके संरक्षण के क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा और शोध को प्रभावी बनाएगा और कलाओं के इतिहास, संरक्षण, संग्रहालय विज्ञान, अभिलेखीय अध्ययन, पुरातत्व विज्ञान, निवारक संरक्षण, पुरालेखशास्त्र एवं मुद्राशास्त्र, पांडुलिपि विज्ञान आदि में स्नातकोत्तर और पीएच.डी.

पाठ्यक्रम प्रदान करने के साथ-साथ भारतीय विरासत संस्थान के सेवारत कर्मचारियों और विद्यार्थियों को संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण सुविधाएं भी प्रदान करेगा।

यह संस्थान, पुरातत्व संस्थान (पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान), राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली के अंतर्गत अभिलेखीय अध्ययन विद्यालय, राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला (एनआरएलसी), लखनऊ, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान कला इतिहास, संरक्षण एवं संग्रहालय विज्ञान (एनएमआईसीएचएम) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली के शैक्षणिक स्कंध को एकीकृत करते हुए मानित विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया जा रहा है। ये सभी इस संस्थान के विभिन्न विद्यालय बन जाएंगे।

भारतीय विरासत संस्थान विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय होगा जो अपने विद्यार्थियों की शिक्षा में शोध, विकास, ज्ञान का प्रसार, उत्कृष्टता तथा भारत की सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और आर्थिक जीवन शैली में योगदान देने वाले विरासत संबंधी कार्यकलाप प्रदान करते हुए भारत की समृद्ध मूर्त विरासत के संरक्षण एवं शोध पर ध्यान केन्द्रित करेगा। यह देश में अपने प्रकार का एकमात्र संस्थान होगा।

चालू वित्तीय वर्ष के लिए इस संस्थान हेतु अलग से कोई बजट आवंटन नहीं किया गया है।

***